

*genehm*: पद्माभिमतमत्यर्थम् MĀRK. P. 24, 4. KATHĀS. 7, 55. HIT. 25, 15. अभिमतार्थसिद्धि PRAB. 61, 11. ◦सिद्धि Spr. 189. अभिमताति VARĀH. BRH. S. 51, 44. RĀGA-TAR. 2, 170. वतो लभते ऽभिमता सिद्धिम् (so v. a. अभिमत-सिद्धिम्) PĀNĒK. 4, 2, 9. कदैतत्संपूर्णं मम हृदयवृत्तेरभिमतं भविष्यति Wunsch Spr. 4183. नान्यस्माद्देशतो ऽभिमतं भवेत् *wünschest du nicht Etwas aus einem andern Lande?* RĀGA-TAR. 3, 367. कृशताभिमता देहे पीनता न तु शोकतः *gern gesehen* Spr. 2733. इन्द्रियार्थाः R. 1, 9, 4. यो नि-वेशस्वभिमता भरतस्य 2, 80, 16. वराः BHĀG. P. 1, 11, 23. ◦देश HIT. 17, 3. वस्तु SĀH. D. 55, 1. कालामभिमतरसाम् MEGH. 50. यद्येवमभिमतम् *wenn es dir so beliebt* PĀNĒK. 15, 23. यद्येतदभिमतं भवताम् HIT. 67, 20, v. 1. परमभिमतं नः MĀLAV. 14, 19. तेन श्रोणीमभिमतां स्त्री सौम्ये प्रतिपद्यते HARIV. 7898. सतां चाभिमतां सदा (गिरम्) MBH. 4, 914. अनभिमत *Unan-genehmes, Widerwärtiges* HIT. 9, 8. compar.: परार्थश्चेत्स्वार्थदभिमततरः Spr. 4313. ◦मोद RT. 5, 15. *gern gesehen, geliebt, lieb*; von Personen: सुताः सतामभिमताः Spr. 1039. तदभिमत 3196. सततमभिमता ब्राह्मणाः सन्तु सतः 3997. अभिमतेन सख्या KUMĀRAS. 3, 23. ad ÇĀK. 54. या यस्याभि-मता KATHĀS. 3, 52. 23, 93. 30, 73. BHĀG. P. 4, 24, 54. ÇUK. in LA. (II) 37, 8. Vgl. यथाभिमत. — 2) böse Absichten gegen Jmd oder Etwas (acc.) haben, Jmd Etwas anzuthun suchen, nachstellen, bedrohen; auch ge-radezu für tödten: पारै वृद्धिं कुरसा माभि मंस्थाः VS. 11, 41. यो ब्राह्म-णस्य तद्वनमभि नारदं मन्यते *der dem Brahmanen diesen Besitz zu beschä-digen sucht* AV. 5, 19, 9. मा तां क्रव्यादभि मंस्त 8, 1, 12. अस्मिन् माभि मंस्थाः *beschädige nicht* 9, 5, 4. नास्यं रुद्रः प्रजां पप्रूनभिमन्यते TBH. 1, 5, 6, 7. TS. 1, 6, 2, 4. 3, 1, 9, 6. ÇAT. BR. 3, 6, 2, 20. 10, 6, 5, 5. स कैनमीश्वरः सपुत्रं सपुत्रमभिमताः 12, 3, 4, 16. PĀNĒK. BR. 21, 14, 13. विश्वद्वयं त्वाष्ट्र-मभ्यमंस्त *hatte getödtet* AIT. BR. 7, 28. श्वानं चतुरत्तमभिमन्यस्व *bringe um* KĀTJ. ÇR. 20, 1, 38. — यो ऽयमेको ऽभिमनुते (= हिनस्ति Schol.) स-र्वान् लोके धनुर्भतः *bedroht* MBH. 3, 1388. नाभिमन्येत कं च न (so die ed. Bomb.) Spr. 3410. BHĀG. P. 3, 24, 56. — 3) zugeben, freistellen: अभिमते ऽनुमते वा (*wenn sie es angenommen oder ihm überlassen haben* STENZ.) ĀÇV. GRH. 4, 7, 28. लोकवृद्धतमे कृत्ते यो ऽर्क्षणा नाभिमन्यते *nicht zulässt* MBH. 2, 1374. विवास्यामानानस्थाने नगरे यो ऽभिमन्यते *der es zugiebt, dass sie verbannt werden*, 1, 3743. साभिमता तस्य रिपो वृत्तिः सनातनी Spr. 3433. आत्मानमङ्गं शिरसा कुर्ये ऽभिमेने (= अङ्गीकृतवान् Schol.) *zur Verfügung stellen* BHĀG. P. 2, 7, 18. — 4) dafür halten, meinen, sich einbilden: वयं कृतार्था इत्यभिमन्यति वालाः MUND. UP. 1, 2, 9. अहं कर्ता-स्मीत्यवुधो ऽभिमन्यते TATTVAS. 20. BHĀG. P. 3, 27, 2. Schol. zu KAP. 1, 65. तथा क्षयमेवाभिमन्यते PRAB. 71, 8. glauben an, annehmen, voraussetzen: अथयथा तपोवीर्याद्भवान्यदभिमन्यते । आत्मनः सामुरैर्देवैः R. 5, 47, 28. halten für (acc.): अयुतमहृगजवलमात्मानमभिमन्यमानः BHĀG. P. 5, 24, 16. BHATT. 3, 71. न कस्यचित्काश्चिदिह स्वभावाद्भवत्युदरो ऽभिमतः खलो वा Spr. 1346. statt des einfachen praed. der instr. eines davon gebil-detem nom. abstr.: तयोः काव्यस्वद्वयत्वेनाभिमतयोः शब्दार्थयोः SĀH. D. 4, 5. ÇĀK. zu BRH. ĀR. UP. S. 289. — Vgl. अभिमत्स्व fgg., अभिमाति, अ-भिमातिन्, अभिमान fgg. — caus. अभिमानयति P. 3, 1, 6, Sch.

— अथ 1) Jmd missachten, gering achten, seine Geringachtung gegen Jmd an den Tag legen: नावमन्येत वै भूक्षुः कृशानपि कदा च न M. 4, 135. fgg. Spr. 82. 3069. 3411. 3702. 3953. 4237. नात्मानमवमन्येत पूर्वा-

भिरसमृद्धिभिः 4383. MBH. 1, 5971. fgg. 6544. 8443. 3, 1068. 4, 99. 113. 445. 5, 7431. R. 1, 34, 18. 2, 35, 8 (मावमंस्थाः ed. Bomb.). 3, 49, 53. VIKR. 30. MĀRK. P. 61, 37. PĀNĒK. ed. ORB. 8, 22 (HIT. 33, 11). BHATT. 8, 81. मावम-धम् (मावमन्धम् ein Schol.) 12, 25. 15, 66. act. MBH. 3, 14503. 4, 444. 8, 1356. R. 2, 39, 31. Spr. 1337. 2323. अवमत्य KUMĀRAS. 5, 53. BHĀG. P. 3, 30, 16. अवमन्य MBH. 5, 7533. 16, 73. 75. अवमते AK. 3, 2, 56. सुखं क्षवमतः शेते सुखं च प्रतिबुध्यते Spr. 5188. 930. M. 7, 150. *Etwas gering achten, nicht beachten, verschmähen*: अवमत्यास्य तद्वाक्यम् MBH. 3, 15637. KĀM. NITIS. 11, 75. BHATT. 13, 14. यो ऽवमन्येत ते मूले M. 2, 11. तां (मर्क) भुङ्क्ते कुत्तीसुत मावमंस्थाः MBH. 12, 892. यो न कामयते किञ्चित् किञ्चिदवम-न्यते 14, 1324. R. 2, 61, 15. Spr. 4793. अवमेने स्रजं दत्ता शुभान्याभरणानि च MĀRK. P. 69, 11. सज्जनावमतं दुःखमिदं प्राप्तं स्वकर्मजम् *verabscheut* DAÇ. 2, 12. — 2) pass. gering geachtet werden: नृपेणावमतो यस्तु स सर्व-रवमन्यते Spr. 930. — Vgl. अवमति fgg., अवमान, अवमानिन्. — caus. Jmd missachten, geringachten, seine Geringachtung gegen Jmd an den Tag legen: या चैनं नावमानयेत् M. 2, 50. अवमानित AK. 3, 2, 56. H. 1479. M. 4, 136. (तया) देवाद्याप्यवमानिताः MBH. 3, 16335. न व्यथेद्यो ऽवमा-नितः 4, 120. KĀM. NITIS. 17, 23. KATHĀS. 6, 132. 23, 1. 49, 57. निद्रा क्वा-प्यवमानितेव दयिता संत्यज्य हूरं गता RĀGA-TAR. 3, 181. SĀH. D. 118. nicht beachtet: दौहृद Suçr. 1, 319, 13. — Vgl. अवमानन, अवमान्य (könnte auch auf's simpl. zurückgeführt werden).

— अभ्यव missachten, verschmähen: यस्ताम् (भिताम्) अभ्यवमन्यते M. 4, 249.

— आ hinverlangen zu Jmd: आ मन्येद्यमा गतं कश्चिदेवैः RV. 3, 58, 4. जुहुराणां चिदश्चिना मन्येद्यमा 8, 26, 5.

— उप s. उपमाति und उपमांसा.

— परि übersehen, vernachlässigen: नहि वंश्चरं च न वसिष्ठः परिमं-सते RV. 7, 39, 3. — Vgl. परिमत्.

— प्र ersinnen, aussprechen: प्र मन्महे श्वसानायं प्रथमाङ्क्यं गिर्विणसे अङ्गिरस्वत् RV. 1, 72, 1. — Vgl. प्रमाति.

— अभिप्र halten für: भूमिरिति त्वाभिप्रमन्वते जनाः (anders VS.) AV. 6, 84, 1.

— प्रति erwiedern, Jmd (acc.) Etwas (acc.) entgegenhalten: एतत्वात्र प्रतिमन्वानो अस्मि VS. 23, 52. तड ह शौनकः कापेयः प्रतिमन्वानः (= म-नसलोचयन् ÇĀK.) प्रत्येयाय KĀND. UP. 4, 3, 7. — caus. Jmd ehren: प्र-तिमान्य धनंजयम् MBH. 3, 1712. R. 3, 33, 27. Spr. 2230. KĀM. NITIS. 17, 31. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 543, 10. Etwas in Ehren hal-ten VARĀH. BRH. S. 50, 6. gut —, mit Beifall aufnehmen: पूर्व तु वालाः समुदाकुरति (समुदावकृति die neuere Ausg.) । वृद्धाश्च पश्चात्प्रतिमानय-ति स्थानेषु नित्यं प्रतिमानयति ॥ HARIV. 8467. प्रीयमाणो क्लधरः संव-न्धं प्रतिमानयन् MBH. 1, 8015. तत्प्रतिमान्यतां प्रथमः सुकृतप्रणयः MĀRK. 173, 4. beachten, berücksichtigen: न ज्येष्ठता न राज्ञं देवानां प्रतिमानि-तम् HARIV. 7310.

— वि unterscheiden (?): वक्रस्य नीधा वि पणोश्च मन्महे RV. 10, 92, 3. विमत uneins: विमतानां संमत्यर्थे ĀÇV. ÇR. 2, 11. 3, 13. 6, 6. missachtet, beleidigt BHĀG. P. 6, 6, 43. — caus. entehren, mit Geringachtung behan-deln: विमानित MBH. 1, 1257. 5, 2041. 12, 4158. 13, 6284. R. GORR. 2, 9, 7. 6, 82, 111. MĀRK. 19, 14. स्त्रीभिर्विमानितानां कापुरुषाणां विवर्धते